



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Nidhiben Jiteshbhai Mendpara

He Donated: Kidneys, Liver & Eyes

Date:- 08/06/2018

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

01



Suicide victim gives new lease of life to five

Times News Network

Surat: Five people got a new lease of life after organs of a 32-year-old woman, who had committed suicide, were harvested and transplanted to them here on Friday. This was fourth cadaver organ donation in the past five days in the city, benefiting 18 people.

Nidhi Jitesh Mendpara, a resident of Singapore Causeway Road in Surat, ended her life by hanging self in her house on June 6. Nidhi had slapped her young son Shloka for which her husband scolded her. Jitesh, who is into diamond business, then went out of the house. Feeling hurt, Nidhi called him up on his mobile phone and said she was ending her life. She went to her bedroom and hung herself from the ceiling fan.



Nidhi Jitesh Mendpara (Inset)

When Jitesh reached home, he found his wife hanging. He took her to Kiran Hospital, where doctors declared her dead. Volunteers of Donate Life approached the family and convinced them to donate Nidhi's organs.

Doctors of the Institute of Kidney Diseases and Research Centre, Ahmedabad, harvested the woman's or-

gans. Nidhi's eyes were assigned by Lakhrashti Chakshudan Kendra. One kidney was transplanted to the body of Prabhakar Jain, a resident of Udaipur in Rajasthan, and another into Pradip Sarang, a resident of Nagaur in Rajasthan. The liver was transplanted to the body of Jitendrasinh Ghil, a resident of Bhavnagar.

लेऊवा समाज की ब्रेनडेड महिला के अंगदान ने 5 लोगों को मिली नयी जिंदगी

सोहन सिंह राणा

सुरत: सिंगापोर सोहन रोड के एक रहनेवाले 32 वर्षीय लेऊवा ब्रेनडेड महिला का अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान की प्रक्रिया के अंतर्गत सिंगापोर सोहन रोड के रहनेवाले नीडि जितेश मंदपार के अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान की प्रक्रिया के अंतर्गत सिंगापोर सोहन रोड के रहनेवाले नीडि जितेश मंदपार के अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी।

जितेश मंदपार ने कहा कि वह नीडि की अंगदान की प्रक्रिया के अंतर्गत सिंगापोर सोहन रोड के रहनेवाले नीडि जितेश मंदपार के अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान की प्रक्रिया के अंतर्गत सिंगापोर सोहन रोड के रहनेवाले नीडि जितेश मंदपार के अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी।



गणों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी।

लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी। लेऊवा ब्रेनडेड महिला की अंगदान ने 5 लोगों को नयी जिंदगी दी।



फांसी लगाने के बाद ब्रेनडेड महिला ने राजस्थान के दो और भावनगर के एक शख्स को किया अंग दान

हेल्थ रिपोर्टर सुरत

फांसी लगाने के बाद ब्रेनडेड हुई एक महिला के अंगदान से पांच लोगों को नया जीवन मिला है। राजस्थान को दो युवकों को एक-एक किडनी और भावनगर के एक व्यक्ति को लीवर ट्रांसप्लांट किया। किडनी और लीवर का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद के आईकैडीआरसी अस्पताल में किया गया।

लेडआ पटेल समाज की कोजवे रोड शगुन हाइट्स निवासी 32 वर्षीय निधि नेदपरा ने बीते छह जून को अपने बेटे श्लोक को तमाचा मार दिया था। इसी बात को लेकर पति जीतेश ने उसे डाट दिया। इसके बाद में जीतेश काम पर चला गया। निधि ने फोन करके पति को कहा, अब मैं जा रही हूँ अपने बेटे बेटियों को संभालो। जीतेश को कुछ गड़बड़ लगा और वह तुरंत घर आया, लेकिन तब तक निधि दरवाजा बंद करके घर में ही पंखे से फांसी लगा ली थी। पड़ोसियों की मदद ने उसे पंखे से उतारकर किरण हॉस्पिटल ले जाया गया। इलाज और सिटी स्कैन रिपोर्ट में पता चला

पिछले पांच दिन में चार लोग हुए
ब्रेनडेड, 18 लोगों को नया जीवन

पिछले चार दिन में चार लोग ब्रेनडेड हुए, जिसमें 18 लोगों को नया जीवन मिला है। अंगदान में 7 किडनी 5 लीवर और 8 नेत्र दान किया गया। अब तक 256 किडनी, 104 लीवर, 6 पेनक्रियज, 17 हार्ट और 220 नेत्र का दान किया जा चुका है जिसमें 500 लोगों को नया जीवन मिला है।

कि उसके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया है। न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर और न्यूरो फिजिशियन डॉ. कुणाल नाथ ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया। डोनेट लाइफ संस्था की मदद से परिजन अंगदान करने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद एक किडनी राजस्थान उदयपुर निवासी 27 वर्षीय प्रखर अशोक कुमार जैन में दूसरी किडनी राजस्थान के नागौर निवासी 24 वर्षीय प्रदीप सरग में और लीवर भावनगर निवासी 48 वर्षीय जितेंद्र प्रवीण सिंह गोहिल को ट्रांसप्लांट किया गया। आंखें चक्षु बैंक में रखी गई हैं।



बच्चे पर हाथ उठाने से मना करने पर पत्नी की आत्महत्या

सुरातदाता, सुरा। जूने सेने को लेक्टर पहिला ने बालक पर हाथ डरवा। इनको लेक्टर गति के हाथने पर महिला ने पांसी हाथ ला। इनकार जीवन को ब्रेनडेड घोषित करेपर डॉक्टरजनों ने इनकी कोठरी, लिबर और स्ट्रुओं का दाग लिया। पोस्टमॉरम पुलिस नुशों के अनुसार मृत भावना के पुत्रिया बच्चे के निगारी बरेदागई गेलपा गिनागपेर की मुकल हददर पहिला के दाग हाथ है और लोग अंगिका के सीकर बरफ करवा है। जहाँ संतान में एक पुत्र और पुत्री हैं। गत 6 की सुराह इनकी पत्नी निधिबेन (30) पछे के साथ दुरात बांधकर पांसी लगायो। डले उपचार के बिना किसी अस्पताल में भरी गेल। उपचार उपचार 7 घण को उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। अस्पताल के चिकित्सक ने पोस्टमो लेगल एक्साईट का साथ चर्चा कर दोनैर लाएन सुराश को

दलित किया। संस्था दाप निधिबेन के मानने और सफुल बच्चों को अस्पताल के बों में जाकराई थी। इनकी संजगी से बीडनी, लिबर और स्ट्रुओं का गुन लिया गय। इतरी पांच लोगों का गवा ब्रेनडेडम भिला। पत्नी के जूने सेने की लेक्टर पति-पत्नी के बीच कुछ ख झगडा: पुलिम : सारी के बुर सेने को लेक्टर पति-पत्नी के बीच झगडा हुआ था। इस बात का मना को बुर लगाकर पति-पत्नी के बीच का पति पुलिस ने कहें। सारी अंगीक लेनोरा-कलेवानी संस्था ने बताया कि निधिबेन ने पुर जॉरक को बगुन चरसे से गति में टंडा का पति काम पर जाने के बाद उनको ओल कर मै ला खें है , साथ बच्चों का खान खाना ऐसा कहकर पाता बंद कर दिया था। बाद में पति आने पर इनकी बात कियी थी।

खेड़वा पटेल समाजनी श्रेष्ठिन डेड महिलाना अंगदानथी पांचने नवखवन

(विशेष रिपोर्ट)

पति साथे रहनाके डले एक बरतडे और इनकी निधिबेन डेड पति के बाद पति-पत्नी के बीच झगडा हुआ था। इस बात का मना को बुर लगाकर पति-पत्नी के बीच का पति पुलिस ने कहें। सारी अंगीक लेनोरा-कलेवानी संस्था ने बताया कि निधिबेन ने पुर जॉरक को बगुन चरसे से गति में टंडा का पति काम पर जाने के बाद उनको ओल कर मै ला खें है , साथ बच्चों का खान खाना ऐसा कहकर पाता बंद कर दिया था। बाद में पति आने पर इनकी बात कियी थी।

पति साथे रहनाके भाव निधिबेन नेटपराओ इनकी भाषी: सारवार हरनिधान श्रेष्ठिनडेड जादेर करवाया डले।

सुरा, दिना सुरा, पोस्टमॉरम इनकी पत्नी के दाग हाथ है और लोग अंगिका के सीकर बरफ करवा है। जहाँ संतान में एक पुत्र और पुत्री हैं। गत 6 की सुराह इनकी पत्नी निधिबेन (30) पछे के साथ दुरात बांधकर पांसी लगायो। डले उपचार के बिना किसी अस्पताल में भरी गेल। उपचार उपचार 7 घण को उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। अस्पताल के चिकित्सक ने पोस्टमो लेगल एक्साईट का साथ चर्चा कर दोनैर लाएन सुराश को



सुरा, दिना सुरा, पोस्टमॉरम इनकी पत्नी के दाग हाथ है और लोग अंगिका के सीकर बरफ करवा है। जहाँ संतान में एक पुत्र और पुत्री हैं। गत 6 की सुराह इनकी पत्नी निधिबेन (30) पछे के साथ दुरात बांधकर पांसी लगायो। डले उपचार के बिना किसी अस्पताल में भरी गेल। उपचार उपचार 7 घण को उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। अस्पताल के चिकित्सक ने पोस्टमो लेगल एक्साईट का साथ चर्चा कर दोनैर लाएन सुराश को

पति साथे रहनाके भाव निधिबेन नेटपराओ इनकी भाषी: सारवार हरनिधान श्रेष्ठिनडेड जादेर करवाया डले।



લેઉવા પટેલ સમાજની મહિલાનાં અંગોનાં દાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવી જિંદગી મળી

સુરત, તા. ૮

સિંગણપોર કોઝવે વિસ્તારની લેઉવા પટેલ સમાજની બેઈનડેડ મહિલાના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું હતું. છેલ્લા પાંચ દિવસમાં લાઈન ડોનેટ દ્વારા ચાર બેઈન ડેડ વ્યક્તિના અંગદાન કરાવી ૧૮ જણાને નવજીવન અપાયું છે.

મૂળ ભાવનગર, રાજી હાઈસ્કૂલની ભૂતિયાગામના વતની અને હાલ, સિંગણપોર, કોઝવે રોડ સ્થિત શુકન હાઈટ્સમાં રહેતા નિધિબેન જિતેશભાઈ મેંદપરા (ઉં.વ.૩૨)એ ગત તા.૬થીએ ઘરમાં ફાંસો ખાઈ લીધો હતો. નિધિબેને પુત્ર શ્લોકને તમાચો મારતા પતિએ તેણીને બાળકો પર હાથ નહીં ઉગામાય એમ કહી ઠપકો આપ્યો હતો, જેને પગલે તેણીને માહું લાગી આવતા પતિને ફોન કરી ફાંસો ખાઈ લીધો હતો. જેથી પગલે પતિ જિતેશભાઈ તાત્કાલિક ઘરે

દોડી આવ્યાં હતા, અને દરવાજો ખોલતા નિધિબેને ફાંસો ખાધેલા હાલતમાં લટકતી જોવા મળી હતી. ત્યારબાદ તેણીને સારવાર માટે હોસ્પિટલમાં ખસેડાઈ હતી. જ્યાં ગઈકાલે તબીબોએ તેણીને બેઈન ડેડ ઘોષિત કરી હતી. નિધિબેન બે સંતાનની માતા હતી.

**પુત્રને તમાચો મારવા
બાબતે પતિએ ઠપકો
આપતા ફાંસો ખાઈ
લીધો હતો**

લાઈફ ડોનેટના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, નિધિબેનના પરિવારની સંમતિ બાદ તેણીની કિડની, લિવર અને આંખોનું દાન કરાયું હતું. આંખોનું દાન લોકદ્રષ્ટી ચક્ષુબેંકે સ્વીકાર્યું હતું.

જ્યારે એક કિડની રાજસ્થાન, ઉદયપુરના પ્રાખર જૈન (ઉં.વ.૨૭), બીજી કિડની રાજસ્થાન, નાગોરના પ્રદીપ સરગ (ઉં.વ.૨૪) અને લિવર ભાવનગરના જિતેન્દ્રસિંહ ગોહિલ (ઉં.વ.૪૮)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ હતી.



પતિના સામાન્ય ઠપકાથી આપઘાત કરનાર પરિણીતાના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન

પાંચ વર્ષના બાળકને માસિક બાબતે પતિએ ઠપકો આપતા માત નિધિએ વળાંકાંસો ખાઈ લીધો હતો

નિધિ મેંદપરાને પતિ સારવાર માટે હૅસ્પિટલમાં લઈ ગયો ત્યાં તબીબોએ બ્રેનડેડ બ્લેડ કરી હતી

સુરત : સિવદાપુર-કલ્પે રોડના શુભા અર્પેશમાં રહેતા શ્રીમતી નવજીવન શાહ સંજયભાઈ શાહના મેંદપરામાં પતિ નિધિએ માતના હૃદય પોતાના પાંચ વર્ષના બાળક સુરત

પતિની અત્યંતીમાં લગણી મારવા પોતે પત્ની નિધિને આઘાત નવા મોડાને મારવા ન શકે એમ. એવો કલો આગતા નિધિને નવ જીવન હતું. પતિ મેંદપરા નડે ત્યાં નિધિએ કોલ કરી પતિને કહ્યું હતું કે હું જાન કું આપણા કિડના ડોક્ટરની આલ લખાવું. તેમ કરી કોલ પુરી થઈ હતી.

વડાણા કોલેજે પંજાબ પાંચ વર્ષના પુત્ર અને મેંદપરા પુરુષે કમળા શાહા પુત્રી પંજાબા મેંદપરામાં કલેક્ટરો નાઈ થીયો હતો. મલવીયા. કોલના કામને કમીસ ગરે કોલે આપી ઠાલે અને આજુ વડાણા મશીનોની મેડકો નિધિને નોંધે ક્યારી સારવાર કરી કિડના હોસ્પિટલમાં લઈ ગયાં અને ત્યાં ત્યાં ન્યુને વર્કન કે. જાનિક વાલક અને ન્યુરોલોજીસ્ટન કે. કુશલ નાથે નિધિને સેન્ટ્રલ બ્લેડ કરી હતી. આ મેંદપરા સેન્ટ્રલ લાઈકને

જાણ કરતા નિધિએ માંડોવાવા પુરુષે જ કિલ્લા હોસ્પિટલમાં પતિની નન-લતા પાંચ વર્ષના મેંદપરા રોડ મેંદપરા રોડ નિધિએ કોલ કરી કરવી જાક પોસ્ટાલકર્મને અગાડાનું પાલતા અપણાનું હતું. કોલે પશ્ચિમ બંદ નાંકે ત્યાં મેંદપરા આઈડીઆઈઓ સેન્ટર કરી મેં કિડની, મેંદ તોલરનું ઠાન ક્યારે તોલરિ વડુ મેંકને આંગળું ઠાન વેચા કોલે ન. આજુ હતું ઠાનમાં મેંદપરા મેં કિડની કિડની એંડ કિડની સારવારના ડિપાર્ટમેન્ટના સેન્ટરની વડુ મેંક પ્રખર કરાઈકુપાર જૈન અને પીકે કિડની સારવારના નાઈરના સેન્ટરની વડુ વર્ષિય પ્રદીપ અધિભક્ત સરગા ત્યારે નિધર ન મનમલન અને ની કલેન્ડરિંગ કરીકિમિંગ મોરિલના ડાન્સવાલક કરવામાં આજુ હતું.

સુરત: બ્રેનડેડ મહિલાના અંગદાનથી ચારને નવજીવન

સુરત, તા.૦૮: રૂઢિવા પટેલ સમુદાયની મહિલાના પરિવારે કિડની શિવર અને અણુઓનું ઠાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી માનવતાની માર્ગે પત્ની સનાજીસેવાની નવી દિશા મનાવી છે. મુજ આવગનરના સીહાર વાણુશના જુલિયા શામના અને અને કારારનાપ માટે ચલેતા કર વર્ષિય નિધી કલેશભાઈ મેંદપરાએ તત તા. ૬ જુનના રોજ વળાંકાંસો ખાઈને આત્મહત્યા કરી લીધી હતી. સારવાર માટે નિધીને હોસ્પિટલમાં લઈ જવાઈ હતી તબીબોની ટીમે નિધીને બ્રેનડેડ માહેર કરી હતી. આ બંને ડો. સ્નેહલ

કુંવરાણીએ બ્રેનડેડ હાઈકના તબીબોએ બોર્ગન બ્રેનેશનની શકાકરી આપી બોર્ગન બ્રેનેશનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. નિધીના પતિ કલેશ ભાતા-પિતા તથા પરિવારજનો તરફથી અંગદાનથી સંમતિ મળતા તબીબોની ટીમ આવી કિડની અને શિવરનું ઠાન સ્વીકાર્યું જપારે અણુઓનું ઠાન હોઈકરિ નેડે સ્વીકાર્યું હતું. ઠાનમાં મેંદપરામાં આવેલ કિડની પેકે એંડ કિડની કોલપુર સારવારના પ્રખર અરોહકુપાર જૈન સારવારના પ્રદીપ અધિભક્ત સરગા અને શિવર માનવગરના રહેવાસી કલેન્ડરિંગ મોરિલના ડાન્સવાલક કરવામાં આજુ હતું.



લેઉવા પટેલ સમાજની બ્રેઈનડેડ યુવતીના અંગદાન થકી પાંચ વ્યક્તિઓને નવું જીવન મળ્યું

ડોનેટ લાઈફ દ્વારા છેલ્લાં પાંચ દિવસમાં ચાર બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓનાં ૭ કિડની, ૩ લિવર, ૮ ચક્ષુઓનું દાન કરાવીને ૧૮ વ્યક્તિઓને નવજીવન અપાવ્યું

સુરત, તા. ૮

ભાવનગર જિલ્લાના સિહોર તાલુકાના ભુતિયા ગામના અને હાલ ૩૧-૫૦૧, શુકન હાઈટ્સ, સિંગરપોર કોર્ગવે રોડ ખાતે રહેતા અને હીરાના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા જીતેશ રણછોડભાઈ મેઠપરા (ઉ.વ. ૩૩)ના પત્ની નિધી જીતેશભાઈ મેઠપરા (ઉ.વ. ૩૨) બ્રેઈનડેડ થતા પરિવારે તેણીનું અંગદાન કરી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું હતું.

આ અંગેની મળતી વિગતો અનુસાર ગુપ્તવાર તા. ૬ જુનનાં રોજ સવારે નિધી એ ડોકરા ક્રીલોકને તમાથો મારતાં પતિ જીતેશ તેને કપડો આપ્યો હતો. થોડા સમય પછી નીધીએ જીતેશને ફોન કરી જાણ્યું કે હું હવે જીવિ શું, એમ કહી ફોન કટ કરી દીધો. તેથી જીતેશને કંઈક અજુગતુ લાગતાં તે તરત જ પોતાના ઘરે પહોંચ્યો. ત્યારે બાળકો રમતાં હતા અને નિધીએ ટુમનો દરવાજો અંદરથી ખંપ કરી દીધેલ હતો. તેથી જીતેશ દરવાજાને ધક્કો મારી ખોલતા નિધી પંખા સાથે લટકતી હાલતમાં હતી, તેને તાત્કાલિક કિશક હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાઈ હતી. જ્યાં તેણીને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાઈ હતી.

કિશક હોસ્પિટલના મેડીકલ એડમિનિસ્ટ્રેટર ડો. અંજલ દુરાણીએ



ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડવેવાલાનો ટેલીફોનીક સંપર્ક કરી નિધીના બ્રેડેડ અંગેની જાણકારી આપતા ડોનેટ લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલ પહોંચી નિધીના પતિ જીતેશ, પિતાશ્રી મનજીભાઈ હરખાભાઈ કેવડીયા, માતૃશ્રી કંચનબેન મનજીભાઈ કેવડીયા, ભાઈ આવેશભાઈ, જેડ દિલીપભાઈ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને ઓર્ગન ડોનેશનની જાણકારી આપી ઓર્ગન ડોનેશનનું મહત્વ સમજાવતા પરિવારે અંગદાનની સંમતિ આપી હતી.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી કિડની પૈકી એક કિડની ઉદયપુર, રાજસ્થાનના રહેવાસી પ્રખર અશોકકુમાર જૈન ઉ.વ. ૨૭, જ્યારે બીજી કિડની નાગોર, રાજસ્થાનના

રહેવાસી પ્રદીપ અસ્તિમજ સરગ ઉ.વ. ૨૪ અને લિવર ભાવનગરના રહેવાસી જીતેન્દ્રસિંહ પ્રવીણસિંહ ગોહિલ ઉ.વ. ૪૮માં અમદાવાદ ખાતે ડો. પ્રાંજલ મોદી અને તેમની ટીમ દ્વારા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન લોકેશ્વરિ ચક્ષુબેંકના ડો. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના પરિવારજનો સાથે સમજૂતી કેળવી નીલેશ માંડવેવાલા અને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૫૬ કિડની, ૧૦૪ લિવર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, ૧૭ હૃદય અને ૨૨૦ ચક્ષુઓના દાન મેળવીને ૬૦૦ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની બક્ષવામાં સફળતા મળી છે.



બાળક પર હાથ ન ઉઠાવવા પતિએ ઠપકો આપતા પત્નીનો આપઘાત

મહિલાએ પતિને ફોન કરી કહ્યું,
'હું હવે જાઉં છું'

મહિલા બ્રેઈનડેડ થતાં કિડની,
લિવર અને ચક્ષુઓનું કરાચું
દાન

સુરત. છોકરાના બુટ લેવા બાબતે મહિલાએ બાળક પર હાથ ઉઠાવતાં પતિએ બાળકોને ન મારવા આપેલાં ઠપકાનું માર્કું લગાડીને મહિલાએ ફાંસો ખાઈ આપઘાત કરી લીધો હતો. સારવાર દરમિયાન બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાતાં પરિવારજનોએ તેની કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કર્યું હતું.

ચોકબજાર પોલીસના સૂત્રો મુજબ મૂળ ભાવનગરના ભૂતિયા ગામના વતની જીતેશભાઈ મેંદપરા સિંગણપોરની શુકન હાઈટ્સમાં પરિવાર સાથે રહે છે અને રત્નકલાકાર તપીકે કામ કરે છે. તેઓને સંતાનમાં એક પુત્ર અને એક પુત્રી છે. દરમિયાન ગત દુમીના રોજ સવારે તેની પત્ની નિધિબેનો(ઉ.વ.૩૦) પંખા સાથે ઠપકો બાંધીને ફાંસો ખાઈ લીધો હતો. તેણીને સારવાર માટે

છોકરાના બુટ લેવા બાબતે પતિ-પત્ની વચ્ચે ઝઘડો
પત્ની વચ્ચે ઝઘડો થયો હતો: પોલીસ

છોકરાના બુટ લેવા બાબતે પતિ-પત્ની વચ્ચે ઝઘડો થતાં માર્કું લગાડી આત્યાંતિક પગલું ભર્યાનું પોલીસ જણાવી રહી છે. જ્યારે ઓર્ગન ડોનેશન કરતી સંસ્થાને જણાવ્યું હતું કે, નિધિબેનો પુત્ર શલેકને તમાચો મારતાં પતિએ ઠપકો આપ્યો હતો. પતિ કામ પર ગયાં બાદ તેણીએ ફોન કરીને 'હું જાવ છું, તમે આપણાં ટીકરા-ટીકરીનું ધ્યાન રાખો' તેમ કહીને ફોન કટ કરી નાખ્યો હતો. બાદમાં ઘરે આવતાં તેણી લટકતી કાલતમાં મળી હતી.

ખાનગી હોસ્પિટલમાં લઈ જવાઈ હતી. જ્યાં સારવાર દરમિયાન ૭ જૂનના રોજ તેણીને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાઈ હતી. જ્યાં હોસ્પિટલના તબીબે મેડિકો લીગલ એક્સપર્ટ સાથે ચર્ચા કરીને ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાને જાણ કરી હતી. સંસ્થા દ્વારા નિધિબેનોના પિયર પક્ષ અને સાસરિયાં પક્ષને અંગદાન અંગે માહિતી આપી હતી. તેઓની સહમતિથી કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન લેવાયું હતું. જેનાથી પાંચ લોકોને નવજીવન મળ્યું હતું.



DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January 2006 to 8th June 2018

256

KIDNEYS

104

LIVERS

6

PANCREAS

17

HEARTS

220

CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative of organ donation

**Which has given new lease of life &
vision to 600 persons across the country & globe**